वित्त मंत्री

श्री सुरेश कुमार खन्ना

का

2022-2023 के बजट अनुमानों

पर

बजट भाषण

वर्ष 2022–2023 के बजट अनुमानों पर वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना का बजट भाषण

माननीय अध्यक्ष महोदय,

आपकी अनुमति से मैं, वित्तीय वर्ष 2022–2023 का बजट, इस सम्मानित सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ ।

यह अन्तरिम बजट है, जिसमें केवल वचनबद्ध व्यय के अनुमान सम्मिलित किये गये हैं । इस समय पूर्ण बजट इस कारण प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है क्योंकि प्रदेश में निकट भविष्य में विधान सभा चुनाव होंगे तथा नई सरकार का गठन होगा । अतः परम्परानुसार पूर्ण बजट, नई सरकार द्वारा सम्मानित सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा ।

इस अन्तरिम बजट पर आधारित वित्तीय वर्ष के प्रथम चार माह की अवधि का लेखानुदान भारत के संविधान के अनुच्छेद 206 के अधीन उल्लिखित प्रावधानों का उपयोग करते हुए प्रस्तुत किया जा रहा है । इसके साथ वार्षिक वित्तीय विवरण एवं वित्तीय स्थिति की समीक्षा भी प्रस्तुत है, जिसमें इस सदन के माननीय सदस्यों के उपयोगार्थ आवश्यक सूचना का समावेश किया गया है ।

मान्यवर,

यह अनुमान लगाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2022–2023 में कुल 5,44,836.56 करोड़ रुपये की प्राप्तियाँ होंगी, जिसमें 4,53,097.56 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियाँ, 91,739.00 करोड़ रुपये की पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ, जिसमें 89,174.00 करोड़ रुपये की लोक ऋणों से प्राप्तियाँ तथा 2,565.00 करोड़ रुपये की ऋणों और अग्रिमों की वसूलियों से होने वाली प्राप्तियाँ सम्मिलित हैं । राजस्व प्राप्तियों की 4,53,097.56 करोड़ रुपये की राशि में राज्य के अपने कर राजस्व से 2,08,655.00 करोड़ रुपये, केन्द्रीय करों में राज्याँश से 1,26,383.61 करोड़ रुपये, करेतर राजस्व से 23,406.48 करोड़ रुपये तथा केन्द्रीय योजनाओं के लिये भारत सरकार से सहायता अनुदान के रूप में 94,652.47 करोड़ रुपये के अनुमान सम्मिलित हैं । लोक ऋणों से 89,174.00 करोड़ रुपये की अनुमानित प्राप्तियों के अन्तर्गत भारत सरकार से 2,500.00 करोड़ रुपये तथा अन्य स्रोतों से 86,674.00 करोड़ रुपये ऋण के अनुमान सम्मिलित हैं ।

अन्तरिम बजट में कुल 5,45,370.69 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है जिसमें 4,15,195.95 करोड़ रुपये का व्यय राजस्व लेखे तथा 1,30,174.74 करोड़ रुपये का व्यय पूँजी लेखे के लिये है । पूँजी लेखे के व्यय 1,30,174.74 करोड़ रुपये में ऋणों के प्रतिदान

के लिये 32,563.29 करोड़ रुपये, ऋणों और अग्रिमों के संवितरण के लिये 1,817.76 करोड़ रुपये एवं पूँजीगत परिव्यय के लिये 95,793.69 करोड़ रुपये की राशियाँ सम्मिलित हैं ।

इस प्रकार वर्ष 2022–2023 में राज्य की समेकित निधि में सम्प्रति कुल 534.13 करोड़ रुपये के घाटे का अनुमान है । लोक लेखे के अन्तर्गत 6,000.00 करोड़ रुपये की अनुमानित शुद्ध प्राप्तियों को सम्मिलित करने पर समस्त लेन–देनों का शुद्ध परिणाम 5,465.87 करोड़ रुपये हो जाने की सम्भावना है ।

उपर्युक्त अन्तरिम बजट अनुमानों के आधार पर वित्तीय वर्ष 2022–2023 का प्रारम्भिक शेष 20,759.70 करोड़ रुपये तथा अन्तिम शेष 26,225.57 करोड़ रुपये होने का अनुमान है । वित्तीय वर्ष 2022–2023 के अन्तिम शेष का वास्तविक अनुमान सम्पूर्ण बजट को अन्तिम रूप दिये जाने के उपरान्त निर्धारित हो सकेगा ।

चूँकि यह अन्तरिम बजट है, अतः मैं माननीय सदन का अधिक समय नहीं लेना चाहूँगा । मेरा अनुरोध है कि माननीय सदन द्वारा इस अन्तरिम बजट का अनुमोदन प्रदान करते हुए लेखानुदान पारित किया जाय ।

मान्यवर, मैं वर्ष 2022–2023 का बजट तथा चार महीने की अवधि के लिए लेखानुदान प्रस्तुत करता हूँ ।

अग्रहायण 25, शक सम्वत्, 1943
तद्नुसार,
दिनाँक : 16 दिसम्बर, 2021